खबर संक्षेप

मैहर नवरात्रि मेले में बदइंतजामी



मैहर। मां शारदा धाम में क्वार नवरात्रि मेले के दौरान लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं,लेकिन लाल गेट मार्ग पर फैली गंदगी और सड़क पर बहता नाली का दूषित पानी प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल रहा है। पिछले चार दिनों से सड़क पर नाला बह रहा है,जिससे पैदल दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को मजबूरन इसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। हाथों में प्रसाद और मन में श्रद्धा लिए भक्तों को हो रही इस परेशानी से संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने सिर्फ रोपवे पर ध्यान देने के बजाय पैदल मार्ग पर तत्काल साफ-सफाई और नाली के पानी की निकासी सुनिश्चित करने की जोरदार मांग की है।

नगर पालिका सतर्क, 200 आवारा गोवंशों को खदेड़ा

मैहर। शारदीय नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई असुविधा न हो,इसके लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जरियारी गांव से करीब 200 आवारा गोवंशों को हांककर एनएच-30 हाईवे के रास्ते मैहर शहर की ओर लाए जाने की सूचना मिलते ही सीएमओ प्रिंस अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई की।उन्होंने धीरू पाठक के नेतृत्व में अपनी टीम को पहाड़ियों के पास भेजा,जिन्होंने तत्परता दिखाते हुए सभी गोवंशों को सुरक्षित रूप से वापस खदेड़ दिया। प्रशासन का यह कदम हाईवे पर लगने वाले जाम को रोकने और देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुगम व सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है,जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर चालकों से मारपीट और लूटपाट

सतना। मझगवां थाना क्षेत्र में सतना-चित्रकूट मार्ग (हिरौंदी से पिण्डरा के बीच) पर पिछले छह दिनों से बदमाशों का एक गिरोह सक्रिय है। सफेद रंग की बोलेरो और यूपी नंबर की स्कॉर्पियो में सवार करीब छह बदमाशों का यह गिरोह रात के समय ट्रकों और अन्य वाहनों का पीछा कर उन्हें जबरन रुकवाता है। बदमाश चालकों के साथ मारपीट कर उनसे नकदी और अन्य कीमती सामान छीन रहे हैं। हाल ही में रात के समय भी इस तरह की वारदात को अंजाम दिया गया,जिससे वाहन चालकों और स्थानीय लोगों में भारी दहशत का माहौल है। लगातार बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और गिरोह को जल्द पकड़ने की मांग की जा रही है।

उप-जेल नागौद में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सतना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत उप-जेल नागौद में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने भाग लिया। राज्यमंत्री ने जेल में सकारात्मक,अनुशासित और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेल व्यवस्था में सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है ताकि बंदियों को जागरूक बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम में बंदियों के सामाजिक पुनर्वास और स्वास्थ्य जागरूकता पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सहायक जेल अधीक्षक आशीष मंजना सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

सतना। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति सतना की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार,12अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस करेंगे। यह बैठक टीएल (समय-सीमा) बैठक के तुरंत बाद शुरू होगी। बैठक में रोड सेफ्टी,हिट एंड रन,पीएम राहत योजना,जीरो फैटेलिटी,कैशलेस ट्रीटमेंट और ब्लैक स्पॉट्स में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा सीटबेल्ट व हेलमेट के अनिवार्य उपयोग और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन पर चर्चा होगी।

माह के द्वितीय सोमवार को होंगी बैठकें

सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.सतीश कुमार एस ने जिले में आयोजित होने वाली मासिक एवं त्रैमासिक बैठकों के संबंध में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।जिन विभागीय बैठकों में पुलिस अधीक्षक और वनमंडलाधिकारी की उपस्थिति आवश्यक है, वे सभी बैठकें अब प्रत्येक माह के द्वितीय सोमवार को समय-सीमा बैठक के बाद दोपहर 12 बजे से होंगी। यदि उस दिन शासकीय अवकाश रहता है,तो बैठक तृतीय सोमवार को आयोजित की जाएगी।

मैहर में शारदीय नवरात्र मेला धूमधाम से शुरू: पहले दिन 1.30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए मां शारदा के दर्शन







सतना/मैहर। त्रिकूट पर्वत पर स्थित मां शारदा के धाम मैहर में रविवार तड़के से शारदीय नवरात्र मेले का भव्य और उत्साहपूर्ण शुभारंभ हो गया है। पर्व के पहले दिन मां शैलपुत्री की आराधना के साथ देश के कोने-कोने से पहुंचे 1 लाख 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने कपाट खुलते ही मां के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

अलसुबह 3:30 बजे खुले मंदिर के कपाट

नवरात्र के पहले दिन रविवार को तड़के 3 बजे मंदिर के प्रधान पुजारी पवन महाराज द्वारा विधि-विधान से मां शारदा का प्रथम रूप मां शैलपुत्री के रूप में श्रृंगार और पूजन किया गया। इसके बाद ठीक 3:30 बजे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए। दर्शन का यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर देर रात तक अनवरत जारी रहा। 52 शक्तिपीठों में शुमार मैहर धाम में मध्य रात्रि से ही भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम और हाई-टेक निगरानी

देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि मेला परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए 650 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।भीड़ पर पैनी नजर रखने के लिए पूरे परिसर में 114 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए ड्रोन कैमरों से भी लगातार निगरानी की जा रही है।

भक्तों में भारी उत्साह

प्रधान पुजारी पवन पांडेय ने बताया कि पहले दिन दोपहर तक ही सत्तर हजार से अधिक भक्त मां के दर्शन लाभ ले चुके थे,और कुल आंकड़ा 1.30 लाख के पार पहुंच गया। पुलिस और मंदिर प्रशासन की बेहतर व्यवस्था के चलते श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के श्रद्धा और उल्लास के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगा रहे हैं। मैहर की त्रिकूट पहाड़ियां 'जय माता दी' के जयकारों से गूंज उठी हैं।

सिविल लाइन पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, महिला का पर्स लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार





सतना। पुलिस ने शहर में मोटरसाइकिल से लूटपाट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सिविल लाइन क्षेत्र में 9 अक्टूबर को एक महिला को डरा-धमका कर पर्स लूटने की घटना सामने आई थी। पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना सिविल लाइन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने सिविल लाइन और कोलगवां थाना क्षेत्र भरहुत नगर में महिलाओं के साथ हुई लूट की वारदातों को स्वीकार किया। नगर पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम गोपाल उर्फ राधे वंशकार निवासी उतैली और कुंदन वंशकार निवासी संग्राम कॉलोनी है। एक अन्य आरोपी अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल और लूटी गई नकद राशि बरामद कर ली है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। इस सराहनीय कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रीती विश्वकर्मा और उनकी टीम की अहम भूमिका रही।

सोनवारी गांव में दिल दहला देने वाली वारदात, घर में सो रहे किसान की हत्या



मैहर। कोतवाली थाना क्षेत्र के सोनवारी गांव में रविवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। खेत पर बने घर के बरामदे में खाट पर सो रहे 40 वर्षीय किसान रज्जन सिंह पटेल की धारदार हथियार से गला काटकर निर्मम हत्या कर दी गई। चीख-पुकार सुनकर बीच-बचाव करने आईं उनकी पत्नी अंजना,बेटी रागनी,बेटा अनिकेत और बुजुर्ग दादी लल्ली सिंह पर भी हमलावरों ने वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सीएसपी महेंद्र सिंह और थाना प्रभारी अभिषेक सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया,शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

गुरुद्वारे के सामने आज से शुरू हुआ भव्य रामलीला मंचन

मैहर। धार्मिक नगरी मैहर में शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा उत्सव के पावन अवसर पर प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन सोमवार से आरंभ हो गया। मैहर नगर दशहरा समिति के तत्वावधान में इस धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ पुरानी नगर पालिका घंटाघर के पास किया गया। सांसद प्रतिनिधि एवं नगर दशहरा समिति के अध्यक्ष संतोष सोनी ने बताया कि श्री रामलीला मंडल बरेठी के कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन,आदर्शों और मर्यादा का संदेश दे रहे हैं। इस आयोजन को लेकर धर्मप्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। समिति ने सभी नागरिकों से सपरिवार पहुंचकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने और कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

सतना में आज शाम को नहीं आएगा पानी

सतना। नगर पालिक निगम सतना द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में आवश्यक मरम्मत और संधारण कार्य किया जाना है। इसके अंतर्गत प्लांट में नॉन-रिटर्न वाल्व बदलने तथा अन्य तकनीकी सुधार किए जाएंगे। इस वजह से सोमवार,12 अक्टूबर 2026 को शहर में केवल सुबह के समय जलापूर्ति की जाएगी,जबकि शाम की जलापूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी। निगम प्रशासन के अनुसार,मरम्मत का कार्य पूरा होते ही नियमित जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी। आयुक्त डॉ.नागार्जुन बी.गौड़ा ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए आवश्यकतानुसार पानी का अग्रिम भंडारण कर लें। उन्होंने नागरिकों से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने और कार्य के दौरान नगर निगम प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है।

रामवन में आयोजित होगा 'श्रीलीला समारोह'

सतना। शासन के संस्कृति विभाग द्वारा श्रीरामकथा के प्रमुख पात्रों पर आधारित तीन दिवसीय 'श्रीलीला समारोह' का आयोजन 15 से 17 अक्टूबर तक रामवन में किया जाएगा। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी के सहयोग से आयोजित इस समारोह में निषादराज गुह्य,शक्तिमती शबरी और श्रीहनुमान की लीलाओं का विशेष मंचन किया जाएगा। एसडीएम रामपुर बाघेलान संदीप श्रीवास्तव ने जनपद पंचायत सीईओ को साफ-सफाई,पेयजल,सुरक्षा,प्रकाश और प्रचार-प्रसार जैसी सभी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।इस तीन दिवसीय समारोह को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं और संस्कृति प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

एकेएस विश्वविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ ने माधवगढ़ में चलाया जागरूकता अभियान

सतना। एकेएस विश्वविद्यालय,के महिला विकास प्रकोष्ठ ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर माधवगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।नमः ग्रामीण विकास संस्थान,माधवगढ़ के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम का विषय बालिका सशक्तिकरण,जागरूकता,रचनात्मकता और देखभाल रहा।

कार्यक्रम में बीसीए(एआई/एमएल) तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने गुड टच और बैड टच पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा,गलत स्पर्श की पहचान और असुरक्षित स्थिति में किसी विश्वसनीय बड़े को जानकारी देने के बारे में बताया गया। श्रीमती नीरू सिंह ने बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की,जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इस दौरान पौधरोपण भी किया गया। लगभग 40 बच्चों को वैक्स क्रेयॉन,पेंसिल,पेन,शार्पनर और रबर सहित स्टेशनरी सामग्री के पाउच वितरित किए गए।बच्चों को टॉफी और अल्पाहार भी दिया गया। डॉ.मधु गुप्ता ने गांव की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक करते हुए बचाव और समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी।



एड. आलोक को मिला प्रतिष्ठित 'विश्व कीर्ति सम्मान'



सतना। संरक्षण ब्यूरो(भारत) द्वारा मानवता,मानवाधिकारों की रक्षा और समाज में सर्वधर्म समभाव की भावना को मजबूत करने के लिए एडवोकेट आलोक त्रिपाठी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विश्व कीर्ति सम्मान' से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें सामाजिक सद्भाव और असामाजिक साजिशों के समय पर खुलासे के जरिए शांति बनाए रखने में उनके सक्रिय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। एडवोकेट आलोक त्रिपाठी ने मानवाधिकारों की रक्षा और सामाजिक सौहार्द से जुड़े कई संवेदनशील मामलों में अहम भूमिका निभाई है। यह प्रतिष्ठित सम्मान हरियाणा महिला आयोग की प्रतिनिधि प्रियदर्शनी तथा नेपाल के धर्मगुरु रिनपोछे के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। आयोजकों ने सम्मान समारोह के दौरान एडवोकेट त्रिपाठी के मानवाधिकार संरक्षण,सामाजिक सेवा और सर्वधर्म समभाव के क्षेत्र में किए जा रहे साहसिक व सराहनीय कार्यों की विशेष रूप से प्रशंसा की।

दुर्गा पूजा पंडालों में विद्युत सुरक्षा को लेकर बिजली विभाग सख्त, जारी किए गए आवश्यक निर्देश



सतना। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान शहर में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पूरी तरह सतर्क हो गई है। सहायक अभियंता (अनुरक्षण) शहर संभाग द्वारा अपनी टीम के साथ विभिन्न पंडालों का निरीक्षण किया गया और पूजा समितियों,दुकानदारों तथा आम नागरिकों के लिए कड़े विद्युत सुरक्षा निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पंडाल का ढांचा या बांस-बल्ली हाई-टेंशन लाइनों और ट्रांसफॉर्मर से सुरक्षित दूरी पर होने चाहिए। बिजली के खंभों पर सीधे तार लपेटने या अवैध रूप से कटिया डालकर बिजली जलाने पर सख्त पाबंदी है। इसके लिए वैध रूप से अस्थाई कनेक्शन लेने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान पंडाल व्यवस्थापकों को लाइटिंग,पंखे और साउंड सिस्टम की कुल खपत का आकलन कर क्षमता के अनुसार ही वायरिंग और कनेक्शन लें।रास्तों या जमीन पर गुजरने वाले तारों को सुरक्षित रूप से कवर किया जाए ताकि करंट का खतरा न रहे। जेनरेटर,मेन स्विच बोर्ड और पंडाल के लोहे या बांस के ढांचे की उचित अर्थिंग अनिवार्य है। शॉर्ट सर्किट से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में रेत की बाल्टियां और चालू हालत में फायर एक्सटिंग्विशर रखें। किसी भी स्पार्किंग या खराबी की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क करें।

खबर संक्षेप

पति की प्रताड़ना व मारपीट से तंग आकर महिला ने दर्ज कराई एफआईआर

अमानगंज। अमानगंज थाना क्षेत्र में पति द्वारा विवाहिता के साथ शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम द्वारी निवासी रिंकी त्रिवेदी (35 वर्ष) ने अपने पिता प्यारेलाल तिवारी के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के अनुसार, उसका विवाह 20 अप्रैल 2012 को ग्राम द्वारी निवासी ओमप्रकाश त्रिवेदी के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। उनके 12 वर्ष की एक पुत्री और 10 वर्ष का एक पुत्र है। पीड़िता ने बताया कि विवाह के लगभग 13 वर्षों तक सब सामान्य रहा, लेकिन अक्टूबर 2025 से उसका पति छोटी-छोटी बातों पर विवाद कर उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। आरोप है कि फरवरी 2026 में भी उसके साथ मारपीट की गई थी। इसके बाद 19 जून 2026 को आरोपी पति ने उसके साथ फिर से मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया, जिससे उसके सिर में चोट भी आई थी। इसके बाद से पीड़िता अपने मायके में रह रही थी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी ओमप्रकाश त्रिवेदी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धारा 85 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

सिद्ध क्षेत्र सूंघा बाबा परिसर में 25 अक्टूबर से होगा नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ

मातृशक्ति श्रद्धा संवर्धन एवं अखंड दीप जन्म शताब्दी 2026 के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन

24 अक्टूबर को कलश यात्रा से होगा शुभारंभ

देवेंद्रनगर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में परम वन्दनीय माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी 2026 के शुभ अवसर पर मातृशक्ति श्रद्धा संवर्धन एवं अखंड दीप जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में ग्राम बड़वारा स्थित सिद्ध क्षेत्र सूंघा बाबा परिसर में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का दिव्य एवं भव्य आयोजन किया जा रहा है। देवेंद्रनगर मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित इस सिद्ध स्थल पर आयोजित होने वाला यह महायज्ञ आध्यात्मिक जागरण, संस्कार संवर्धन और सामाजिक चेतना के प्रसार का संदेश देगा। गायत्री परिवार का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण और समाज निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करना है। यज्ञ, गायत्री महामंत्र के सामूहिक जप और आध्यात्मिक प्रवचनों के माध्यम से मानव जीवन में सद्विचार, सद्भाव, शांति एवं सकारात्मकता का संचार करना इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। महायज्ञ के माध्यम से 'हर मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

तीन दिवसीय आयोजन का कार्यक्रम

24 अक्टूबर, शनिवाररू दोपहर 2 बजे श्री बिहारी जी मंदिर, ग्राम बड़वारा से भव्य कलश यात्रा नगर भ्रमण करते हुए गायत्री महामंत्र की पावन ध्वनि के साथ सिद्ध क्षेत्र सूंघा बाबा के लिए प्रस्थान करेगी। संध्या के समय शांति कुंज प्रज्ञापुत्रो के द्वारा ऋषि संदेश के उपरांत संध्या आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। 25 अक्टूबर, रविवाररू प्रातः 8 बजे देव आवाहन एवं वैदिक विधि-विधान के साथ नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ होगा। सायंकालीन बेला में आध्यात्मिक प्रवचन एवं विराट दीपयज्ञ का आयोजन प्रस्तावित है।

चिता आंदोलन 30वें दिन भी जारी, अमित भटनागर का आमरण अनशन 15वें दिन, चार आंदोलनकारी 13 दिनों से जेल में बंद

मझगाय और रूँझ बांध सहित विभिन्न परियोजनाओं से प्रभावित किसानों, आदिवासियों और विस्थापित परिवारों के न्यायपूर्ण पुनर्वास की मांग पर अडिग जय किसान संगठन

पन्ना।

केन-बेतवा लिंक परियोजना, मझगाय बांध, रूँझ बांध एवं ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना से प्रभावित किसानों, आदिवासियों और विस्थापित परिवारों को न्याय, उचित मुआवजा तथा सम्मानजनक पुनर्वास दिलाने की मांग को लेकर वनहरी कला टपरियन में जय किसान संगठन के नेतृत्व में चल रहा चिता आंदोलन रविवार को 30वें दिन भी जारी रहा। वहीं, संगठन के नेता अमित भटनागर का आमरण अनशन 15वें दिन में प्रवेश कर गया है। आंदोलनकारियों का कहना है कि प्रभावित परिवारों के वैधानिक अधिकारों और पुनर्वास से जुड़े सवालों का समाधान होने तक संघर्ष जारी रहेगा। आंदोलन के बीच दिव्या अहिरवार, हिसाबी राजपूत, इंद्रपाल आदिवासी और कमलेश प्रजापति पिछले 13 दिनों से जेल में बंद हैं। इन आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी और लगातार जेल में रहने को लेकर आंदोलन से जुड़े लोगों में चिंता बनी हुई है। संगठन प्रभावित परिवारों के अधिकारों के साथ-साथ जेल में बंद आंदोलनकारियों के मामले को भी प्रमुखता से उठा रहा है।





आमरण अनशन के 15वें दिन भी जारी है संघर्ष

अमित भटनागर अपने आमरण अनशन के माध्यम से विस्थापित परिवारों को न्याय, कानून के अनुरूप मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास सुनिश्चित करने की मांग उठा रहे हैं। आंदोलन का कहना है कि जिन परिवारों की जमीन, मकान और आजीविका परियोजनाओं से प्रभावित हुई है, उन्हें पर्याप्त मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना विस्थापन के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। जय किसान संगठन का कहना है कि विकास परियोजनाओं के नाम पर किसानों और आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती। प्रभावित परिवारों को कानून के अनुसार उनके हक दिए जाने चाहिए तथा पुनर्वास की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायपूर्ण होनी चाहिए।

जेल में बंद आंदोलनकारियों की रिहाई और प्रभावित परिवारों को न्याय की मांग

दिव्या अहिरवार, हिसाबी राजपूत, इंद्रपाल आदिवासी और कमलेश प्रजापति के 13 दिनों से जेल में बंद होने के बीच आंदोलनकारियों की रिहाई और प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान का मुद्दा लगातार उठाया जा रहा है। संगठन का जोर है कि किसानों, आदिवासियों और विस्थापित परिवारों की आवाज को सुना जाए तथा उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। चिता आंदोलन अब अपने 30वें दिन में पहुंच चुका है, लेकिन मुआवजे, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े सवाल आंदोलन के केंद्र में बने हुए हैं। संगठन का कहना है कि प्रभावित ग्रामीणों को न्याय दिलाना केवल आर्थिक सहायता का विषय नहीं, बल्कि उनके घर, जमीन, आजीविका, सम्मान और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा सवाल है।

न्याय मिलने तक जारी रहेगा चिता आंदोलन

जय किसान संगठन ने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को कानून के अनुरूप उचित मुआवजा, सम्मानजनक पुनर्वास और उनके वैधानिक अधिकार दिलाने की मांग को लेकर चिता आंदोलन जारी रहेगा। संगठन ने किसानों, आदिवासियों, सामाजिक संगठनों और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले नागरिकों से प्रभावित परिवारों के न्यायपूर्ण संघर्ष के समर्थन में आगे आने की अपील की।

हिनौती बस स्टैंड के पास सड़क दुर्घटना, जावेद खान घायल



अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिनौती में बस स्टैंड के पास सड़क दुर्घटना का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में जावेद खान पिता गफ्फार खान, उम्र 32 वर्ष, निवासी गढ़ी करहिया घायल हो गए। घटना के संबंध में पुलिस में मामला दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है।

बागेश्वर धाम सरकार की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा आज पहुंचेगी अमानगंज, भव्य स्वागत की तैयारियां तेज

मंडल द्वारा व्यापक तैयारियां, श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महाराज जी के आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील।

अमानगंज।

शारदीय नवरात्र के शुभारंभ के साथ 11 अक्टूबर से बागेश्वर धाम से पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा का शुभारंभ हुआ है। यह रथयात्रा पांच जिलों से होकर गुजरेगी। इसी क्रम में रथयात्रा का आगमन सोमवार, 12 अक्टूबर को अमानगंज में होगा। इसे लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। रथयात्रा के अमानगंज आगमन को लेकर भाजपा मंडल द्वारा भव्य स्वागत एवं कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ताओं द्वारा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल होकर पूज्य महाराज जी के दर्शन कर सकें और उनके आशीर्वचन प्राप्त कर सकें। मंडल की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों, धर्मप्रेमियों एवं भक्तजनों से अपील की गई है कि वे इस धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर रथयात्रा का स्वागत करें तथा पूज्य महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मलाभ अर्जित करें। यह आयोजन सनातन धर्म की एकता, सामाजिक समरसता और धार्मिक जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है।



दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा वन परिक्षेत्र में रविवार को पक्षी अवलोकन एवं वन्य जीव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित







पन्ना। वन्यजीव सप्ताह के क्रम में दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा वन परिक्षेत्र में रविवार को पक्षी अवलोकन एवं वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आसपास के चार विद्यालयों के 30 विद्यार्थियों एवं 5 शिक्षकों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति एवं वन्यजीवों से जोड़ने के साथ-साथ उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों को दूरबीन के उपयोग एवं पक्षियों की पहचान की जानकारी देने से हुई। इसके बाद भारतीय वन सेवा के अधिकारी एवं प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी रैपुरा कृष्णा प्रसाद बी., प्रकृतिविद् अजय चौरसिया तथा वनरक्षक वीरेंद्र पटेल, सतीश द्विवेदी एवं रजनीश चौरसिया के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने निकटवर्ती तालाब पर पक्षी अवलोकन किया। इस दौरान बच्चों ने दूरबीन से टिटहरी, पतरिंगा (बी-ईटर), चित्रित सारस (पेंटेड स्टॉर्क), अबाबील, चितकबरी फाख्ता, कोतवाल (ड्रोंगो) और नीलकंठ सहित विभिन्न पक्षियों को देखा तथा उनकी पहचान और विशेषताओं के बारे में जाना। इसके पश्चात आयोजित जागरूकता सत्र में विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश की समृद्ध वन्यजीव विविधता, पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों की सफल पुनर्स्थापना तथा देश में चीता पुनर्स्थापन परियोजना के बारे में रोचक जानकारी दी गई। बच्चों को समझाया गया कि वन्यजीव केवल जंगलों की शोभा नहीं, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन, नदियों एवं जलस्रोतों के संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता तथा खाद्य शृंखला को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर आयोजित वन्यजीव आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में श्री रामकृष्ण पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, रैपुरा की टीम विजेता रही। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण विद्यार्थियों के लिए आयोजित करियर मार्गदर्शन सत्र रहा। इसमें बच्चों को भारतीय वन सेवा, राज्य वन सेवा, वन्यजीव अनुसंधान एवं पशु चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध करियर के अवसरों से परिचित कराया गया। इस दौरान प्रत्येक विद्यार्थी को वन परिक्षेत्र अधिकारी की कुर्सी पर बैठने का अवसर दिया गया, ताकि वे वन अधिकारी की भूमिका और जिम्मेदारियों को समझने के साथ भविष्य में ऐसी सेवाओं में जाने के लिए प्रेरित हो सकें। बच्चों ने वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर कर प्रकृति की रक्षा में अपना योगदान देने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को स्मृति स्वरूप पौधे भेंट किए गए तथा उन्हें पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर प्रकृति को प्रत्यक्ष देखने, समझने और उससे जुड़ने का अवसर मिला। अंत में सामूहिक छायाचित्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ग्राम महेवा में मां काली की प्रतिमा स्थापित, दर्शन के लिए उमड़ा भक्तों का जनसैलाब





गुनौर।

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम महेवा में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मां काली की भव्य प्रतिमा की बैठकी (स्थापना) की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान माता रानी के दर्शन करने के लिए आस-पास के क्षेत्रों से भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। महेवा में प्रिन्स काली दाई समिति द्वारा पिछले 4 वर्षों से अधिक समय से लगातार माँ काली की प्रतिमा ससम्मान स्थापित की जा रही है। समिति के इस निरंतर प्रयास से हर साल यहां का आयोजन और भी भव्य रूप लेता जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित कुलदीप सिंह डिघौरा ने विधि-विधान से मां काली की विशेष पूजा-अर्चना और आरती की। उन्होंने क्षेत्र की सुख, शांति, समृद्धि और नागरिकों की खुशहाली के लिए माता रानी से प्रार्थना की। महेवा ग्राम में स्थापित की गई मां काली की यह प्रतिमा अत्यंत आकर्षक और सजीव रूप में नजर आ रही है, जिसमें माता अपने पारंपरिक रौद्र रूप में भगवान शिव के ऊपर चरण रखे हुए दिखाई दे रही हैं। पंडाल को सुंदर लाइटों और वस्त्रों से सजाया गया है, जहां सुबह और शाम की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। स्थानीय आयोजन समिति द्वारा पंडाल में आने वाले भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के सुचारू इंतजाम किए गए हैं।

ग्रीन इंडिया मिशन के आजीविका एवं कौशल विकास घटक के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से चार और का अपोलो हॉस्पिटल भोपाल में प्लेसमेंट

पन्ना।

दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा ग्रीन इंडिया मिशन के आजीविका एवं कौशल विकास घटक के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से रोजगार के सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में कुछ दिनों पूर्व चार और प्रशिक्षार्थियों का अपोलो सेज हॉस्पिटल, भोपाल में सफलतापूर्वक प्लेसमेंट हुआ। इसके साथ ही जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) प्रशिक्षण प्राप्त कर विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों में रोजगार पाने वाली बेटियों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। शाहनगर में आयोजित जीडीए प्रशिक्षण के माध्यम से युवतियों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए आवश्यक व्यावहारिक एवं व्यावसायिक कौशल प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के बाद अब तक प्रशिक्षार्थियों का अपोलो सेज हॉस्पिटल, भोपाल, मेदांता हॉस्पिटल, इंदौर तथा शाल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में चयन एवं प्लेसमेंट हुआ है। कई प्रशिक्षार्थियों के लिए यह उनकी पहली नियमित नौकरी है और कुछ बेटियां अपने परिवार की प्रमुख अथवा एकमात्र आय अर्जित करने वाली सदस्य भी बनी हैं। दक्षिण पन्ना वनमंडल द्वारा ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत केवल ळव। ही नहीं, बल्कि कंप्यूटर, आईटी, सिलाई, ब्यूटी एवं वेलनेस, वाहन मरम्मत, मोबाइल हार्डवेयर, वेब डेवलपमेंट, शेफ एवं लॉजिस्टिक्स जैसे विभिन्न कौशल प्रशिक्षण भी पवई, शाहनगर, मोहनद्रा और सलेहा क्षेत्रों में आयोजित किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आयवर्धन के बेहतर अवसरों से जोड़ना है। वन संरक्षण के साथ स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण कदम है। 21 बेटियों का प्रतिष्ठित अस्पतालों में चयन और प्लेसमेंट न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सही प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर पन्ना के ग्रामीण अंचलों की बेटियां आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकती हैं।



टिकुरिया मोहल्ला स्कूल में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल शिक्षिका ने नाम न छापने की शर्त पर बताई व्यवस्था की हकीकत

अजयगढ़ में भी उठ चुके हैं भोजन की गुणवत्ता पर सवाल, जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी पर उठ रहे प्रश्न

सालों से बच्चों की थाली में खानापूर्ति, पतली दाल, कच्चे चावल और अधपकी रोटियों की शिकायत

पन्ना। सरकारी स्कूलों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित मध्याह्न भोजन योजना पन्ना जिले में सवालों के घेरे में है। बच्चों की थाली में निर्धारित मेन्यू के बजाय खानापूर्ति होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं पानी जैसी पतली दाल परोसे जाने की बात है, तो कहीं कच्चे चावल और अधपकी रोटियों की शिकायतें हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि बच्चों के पोषण के नाम पर संचालित योजना का लाभ उन्हें वास्तव में कितना मिल रहा है? शासकीय माध्यमिक शाला, टिकुरिया मोहल्ला में बच्चों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि दाल पतली मिलती है और कई बार चावल भी कच्चे रहते हैं। बच्चों के अनुसार, कभी-कभी पूरे सप्ताह केवल चावल ही भेजे जाने की स्थिति बनती है।



शिक्षिका ने भी व्यवस्था पर उठाए सवाल

स्कूल में मौजूद एक शिक्षिका से जब इस संबंध में चर्चा की गई, तो उन्होंने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर बताया कि यह व्यवस्था वर्षों से इसी तरह चली आ रही है। उनके अनुसार, मध्याह्न भोजन के नाम पर बच्चों को महज खानापूर्ति जैसा भोजन मिल रहा है। शिक्षिका की इस टिप्पणी से भोजन की गुणवत्ता और व्यवस्था की निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

अजयगढ़ में भी सामने आई थीं शिकायतें

अजयगढ़ में भी मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को लेकर बच्चों की शिकायतें सामने आने की जानकारी मिली है। बताया जा रहा है कि वहां भी पन्ना से संबंधित ठेकेदार के माध्यम से भोजन की आपूर्ति की जाती है। यदि एक ही आपूर्तिकर्ता के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के स्कूलों में भोजन पहुंचाया जा रहा है, तो पूरी आपूर्ति व्यवस्था की जांच आवश्यक है।

बच्चों के पोषण से समझौता क्यों?

मध्याह्न भोजन का उद्देश्य केवल बच्चों को खाना उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छ और पौष्टिक भोजन देना भी है। ऐसे में वर्षों से व्यवस्था में सुधार नहीं होने की शिकायतें निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठाती हैं। जनहित में मांग है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग टिकुरिया मोहल्ला सहित संबंधित स्कूलों में औचक निरीक्षण कराएं। भोजन की गुणवत्ता की जांच, निर्धारित मेन्यू के पालन, आपूर्ति की मात्रा और संबंधित अभिलेखों का सत्यापन किया जाए। बच्चों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन से जानकारी लेकर शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो तथा अनियमितताएं प्रमाणित होने पर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बच्चों को मिलने वाला मध्याह्न भोजन किसी औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह उनके स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा से जुड़ा विषय है, इसलिए प्रशासन को इस मामले में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

खबर संक्षेप

नवरात्रि के प्रथम दिन देवी मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़,

छतरपुर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व के पहले दिन जिलेभर के देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का तांता लगा रहा, जहाँ विधि-विधान के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। नगर के प्रसिद्ध खेरे की देवी मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय की भर्ती पर सवाल, तीनों विज्ञापन निरस्त करने की मांग

छतरपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 9 अक्टूबर 2026 के ओबीसी आरक्षण संबंधी फैसले के बाद महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के आधार पर जारी सहायक प्राध्यापक, स्पोर्ट्स डायरेक्टर और असिस्टेंट लाइब्रेरियन के भर्ती विज्ञापनों की समीक्षा कर उन्हें निरस्त करने तथा संशोधित रोस्टर के अनुसार नए विज्ञापन जारी करने की मांग की जा रही है। विज्ञापन रोस्टर के अनुसार, सहायक प्राध्यापक भर्ती के 40 विज्ञापित पदों में 6 पदों के श्रेणीगत निर्धारण पर सवाल हैं। इनमें वनस्पति विज्ञान के, रसायन विज्ञान का 1, वाणिज्य का 1 और गणित के 2 पद शामिल बताए गए हैं। विज्ञापन अनुसार आरक्षण रोस्टर के कारण कुछ विषयों में अनारक्षित अभ्यर्थियों को आवेदन का अवसर नहीं मिला, जो संविधान के अनुसार सामान अवसर को प्रभावित करता है। अतः इस विषयों के पदों को अनारक्षित श्रेणी में रखा जाए साथ ही महिला आरक्षण एवं विकलांग आरक्षण रोस्टर भी प्रभावित हुआ है।

तीनों भर्तियों के रोस्टर की जांच जरूरी

मांग उठाई जा रही है कि सहायक प्राध्यापक के साथ स्पोर्ट्स डायरेक्टर और असिस्टेंट लाइब्रेरियन के विज्ञापनों में लागू आरक्षण रोस्टर की भी जांच कराई जाए। यदि इन विज्ञापनों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के आधार पर पदों का निर्धारण किया गया है, तो हाईकोर्ट के फैसले के बाद यह आरक्षण व्यवस्था पूरी तरह ख़त्म कर दी गयी, जिससे पुराने रोस्टर के आधार पर की गयी भर्ती विज्ञापन स्वतः ही निरस्त माना जायेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन और उच्च शिक्षा विभाग से मांग की जा रही है कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया निरस्त की जाये एवं 14 प्रतिशत के आरक्षण रोस्टर के साथ पुनः विज्ञापन जारी किया जाये।

अंडर 22 टीम का चयन कल

छतरपुर। जिला छतरपुर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-22 क्रिकेट टीम का चयन 13 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से साईं स्पोर्ट्स अकैडमी क्रिकेट ग्राउंड पर किया जाएगा। एसोसिएशन के सचिव राजीव बिल्थरे ने बताया कि जिन खिलाड़ियों का जन्म 1 सितंबर 2004 या उसके बाद हुआ है वे खिलाड़ी इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं इसके साथ ही सभी खिलाड़ी अपने साथ ओरिजिनल डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड समग्र आईडी, एवं पिछले लगातार तीन वर्षों की अंकसूची के ओरिजिनल प्रमाण पत्र एवं छाया प्रति अपने साथ लेकर उपस्थित होंगे। सभी खिलाड़ी सफेद ड्रेस में अपनी किट के साथ समय पर उपस्थित हो।

नौगांव की 122वीं ऐतिहासिक श्रीरामलीला

शिवधनुष टूटते ही जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा रामलीला मैदान

रावण-बाणासुर संवाद, सीता स्वयंवर और धनुष भंजन की लीला ने मोहा मन, आज श्रीराम विवाहोत्सव और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का मंचन

नौगांव।



नौगांव बुंदेलखंड क्षेत्र की 122वीं ऐतिहासिक श्रीरामलीला में रविवार रात रावण-बाणासुर संवाद, सीता स्वयंवर और शिवधनुष भंजन की लीला का भावपूर्ण मंचन हुआ। शिवधनुष टूटते ही पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। प्रभु श्रीराम के धनुष उठाने और माता सीता के उन्हें वरमाला पहनाने के दृश्य पर श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर उत्साह जताया। मिथिला नगरी में विवाहोत्सव की खुशियों का दृश्य देखकर दर्शक भावविभोर हो गए।

रविवार रात लीला की शुरुआत रावण-बाणासुर संवाद से हुई। दोनों पात्रों के बीच शक्ति, पराक्रम और अहंकार को लेकर हुए संवादों ने दर्शकों का ध्यान खींचा। रावण के अभिमान और बाणासुर के प्रतिवाद के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि शक्ति के साथ विनम्रता न हो तो अहंकार पतन का कारण बन जाता है। इसके बाद मिथिला के राजदरबार का दृश्य सजाया गया। राजा जनक के दरबार में सीता स्वयंवर के लिए अनेक राजा और राजकुमार पहुंचे। शिवधनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी गई, लेकिन एक-एक कर आए राजा इसमें असफल रहे।

शिवधनुष को कोई भी राजा हिला नहीं सका तो राजा जनक व्याकुल हो उठे। उनके करुण भाव और संवादों के माध्यम से योग्य वर न मिलने की चिंता को प्रस्तुत किया गया। इसी बीच महर्षि विश्वामित्र ने प्रभु श्रीराम को धनुष उठाने की आज्ञा दी। गुरु की आज्ञा पाकर श्रीराम सहज भाव से आगे बढ़े और शिवधनुष उठाकर जैसे ही प्रत्यंचा चढ़ाने लगे, धनुष टूट गया। धनुष भंजन की गूंज के साथ मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद माता सीता ने प्रभु श्रीराम को वरमाला पहनाई। राम-सीता के मिलन के दृश्य पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर जय सियाराम के उद्घोष किए।

समिति अध्यक्ष ने की परिवार सहित पहुंचने की अपील -

रामलीला समिति के अध्यक्ष विनोद मेहरोत्रा ने नगरवासियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे परिवार सहित रामलीला देखने पहुंचें और इस ऐतिहासिक धार्मिक परंपरा का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि नौगांव की श्रीरामलीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बुंदेलखंड की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंग समाज को मर्यादा, सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं और बच्चों से भी रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आदर्शों को समझने का आग्रह किया। रामलीला का मंचन प्रतिदिन रात 9 बजे से 12 बजे तक किया जा रहा है। समिति ने श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है।

छतरपुर में रेलवे ट्रैक के पास मिला शवः चेहरे पर मिले खरोंच के निशान, संदिग्ध मौत से उठे कई

छतरपुर।



सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब करीब 11:00 बजे गुरैया रोड स्थित रेलवे ट्रैक के समीप एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ।

स्थानीय राहगीरों द्वारा ट्रैक के पास शव देखे जाने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस और नगर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सोनी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

मृतक की शिनाख्त कमलेश साहू उम्र 50 वर्ष, निवासी चौबे कॉलोनी, थाना सिविल लाइन छतरपुर के रूप में की गई है। प्राथमिक जांच के दौरान मृतक के चेहरे पर खरोंच और चोट के कुछ निशान पाए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि शव खुले में पड़े रहने के कारण आवारा जानवरों अथवा जंगली जंतुओं द्वारा ये खरोंचें लगाई गई हो सकती हैं। हालांकि, मृत्यु का वास्तविक कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक कमलेश साहू पिछले दो वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज भी चल रहा था। मानसिक संतुलन ठीक न होने के कारण वे अक्सर परिजनों को बिना बताए अचानक घर से निकल जाते थे और काफी तलाश के बाद मिलते थे। रविवार सुबह रेलवे ट्रैक के समीप उनका शव मिलने की खबर जैसे ही परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया।

पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद स्पष्ट होगी मौत की वजहः सीएसपी

मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस हर पहलू से मामले की तफ्तीश कर रही है। घटनास्थल की तकनीकी जांच कराई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृतक के चेहरे पर जानवरों द्वारा खरोंचे जाने जैसे निशान दिख रहे हैं, लेकिन मौत की वास्तविक वजह, समय और परिस्थितियों का सटीक खुलासा विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

रेस्ट हाउस के पास नाले में मिला 32 वर्षीय युवक का शव

लवकुशनगर।

नगर के रेस्ट हाउस के पास नाले में मिले अज्ञात शव की पहचान कामता सोनी के रूप में हुई है। शव करीब दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। शव की हालत काफी खराब होने के कारण शुरुआत में उसकी पहचान कर पाना मुश्किल था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, मृतक के परिजनों के पास अंतिम संस्कार के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मदद कर अंतिम संस्कार की व्यवस्था कराई।

जानकारी के अनुसार, बीते रोज सुबह तड़के रेस्ट हाउस के पास स्थित नाले में लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिछले दो दिनों से घटनास्थल के आसपास दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद चाय की दुकान संचालित करने वाले दुकानदार सहित अन्य लोगों ने जब नाले की ओर देखा तो नीचे पैर दिखाई दिए। इस पर उन्हें किसी व्यक्ति के शव के होने की आशंका हुई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही एसडीओपी नितेश पटेल, थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी सहित पुलिस टीम और नगर परिषद के कर्मचारी शव वाहन के साथ मौके पर पहुंचे। नगर परिषद के कर्मचारियों की मदद से शव को नाले से बाहर निकाला गया। शव काफी फूल चुका था और उसकी हालत खराब होने के कारण पहचान करना मुश्किल हो रहा था। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को बुलाया, जहां उसकी बहन मुन्नी सोनी ने कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान कामता सोनी के रूप में की। मृतक की बहन मुन्नी सोनी ने बताया कि उनके माता-पिता का काफी पहले निधन हो गया था। इसके बाद कामता उनके घर पर ही रहता था। उन्होंने बताया कि कामता शराब पीने का आदी था और कबाड़ बीनकर उसे बेचता था। उससे मिलने वाले पैसों से वह शराब पी लेता था। कामता एक पैर से दिव्यांग भी था। बहन के अनुसार, वह करीब चार दिनों से घर नहीं लौटा था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन इस बीच रेस्ट हाउस के पास नाले में उसका शव मिलने की सूचना मिली।घटना के बाद मृतक के परिवार के सामने अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने की समस्या भी खड़ी हो गई, क्योंकि परिजनों के पास पर्याप्त पैसे नहीं थे। ऐसी स्थिति में पुलिस और स्थानीय लोगों ने आगे आकर आर्थिक सहयोग किया और अंतिम संस्कार की व्यवस्था कराने में मदद की। इस दौरान जरूरतमंद परिवार की सहायता के लिए लोगों द्वारा किए गए सहयोग की चर्चा रही।

थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि नाले में मिले शव की पहचान कामता सोनी के रूप में हो गई है। प्रथम दृष्टया आशंका है कि शराब के नशे में नाले में गिरने और दिव्यांग होने के कारण वह बाहर नहीं निकल पाया होगा। शव करीब दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

देसी शराब पीने के बाद युवक की बिगड़ी तबीयत, खून की उल्टियां होने पर जिला अस्पताल में भर्ती



छतरपुर। जिले के किशनगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत कुपी चौकी क्षेत्र में देसी शराब के सेवन के बाद एक युवक की तबीयत बिगडऩे का मामला सामने आया है। खून की उल्टियां होने पर परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, कुपी गांव निवासी नरेंद्र यादव (32) ने शनिवार को देसी शराब का सेवन किया था। शाम करीब चार बजे अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में गोलू यादव ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में निजी स्थानों पर कथित रूप से अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। परिजनों ने कुपी चौकी प्रभारी जगदीश शिवहरे की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

आखिर पहाड़ की गोद में कैसे समा गई देवी मां की कन्या साधक?

हरपालपुर। जिले के हरपालपुर नगर में सैकड़ों फीट ऊंचे पहाड़ पर स्थित मां अद्रधकुंवारी का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। लोकमान्यता के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पहले दुर्गा मां की एक अनन्य साधक कन्या हल्दी लगाए पहाड़ पर पहुंची थी, जहां पहाड़ में दरार हुई और वह उसमें समा गई। मान्यता है कि उसी स्थान पर माता की सूक्ष्म पिंडी प्रकट हुई, जिसके बाद से यहां मां अद्रधकुंवारी की पूजा-अर्चना की जाने लगी।

जिला मुख्यालय छतरपुर से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लगभग 300 सीढ़ियां चढऩी पड़ती हैं। मंदिर में सुबह चार बजे माता की आरती होती है, जबकि नवरात्र की अष्टमी पर विशेष रूप से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। भक्त दूर-दराज से पहुंचकर माता के दरबार में अपनी मनोकामनाओं की अर्जी लगाते हैं। श्रद्धालुओं की आस्था है कि मां अद्रधकुंवारी के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता।

दो बारातों के विवाद से जुड़ी है लोककथा

स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार, एक निर्धन परिवार की कन्या दुर्गा मां की कठोर साधक थी। लोककथा के मुताबिक, संयोगवश एक ही दिन दो बारातें उससे विवाह करने पहुंच गईं, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। घबराई कन्या शरीर पर हल्दी लगाए पहाड़ पर पहुंची और देवी मां का स्मरण करने लगी। मान्यता है कि इसी दौरान पहाड़ में दरार हुई और कन्या उसमें समा गई। जब लोग उसे खोजते हुए वहां पहुंचे, तो उन्हें हल्दी के निशानों के बीच एक सूक्ष्म पिंडी दिखाई दी। तभी से इस स्थान पर मां अद्रधकुंवारी की पूजा होने की मान्यता प्रचलित है। नवरात्र की अष्टमी पर उमड़ते हैं हजारों श्रद्धालु समय के साथ श्रद्धालुओं के सहयोग से पहाड़ पर मंदिर का निर्माण हुआ और दर्शन के लिए सी ढि यां बनाई गईं। पहाड़ की ऊंचाई को देखते हुए सीढ़ियों के किनारे सुरक्षा के लिए रेलिंग भी लगाई गई है। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था हेतु पहाड़ पर पानी की टंकी बनाई गई है। नवरात्र के दौरान सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो जाता है। विशेषकर अष्टमी की रात माता के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।



सिद्धचक्र महामंडल विधान से नगर में हुई अनूठी धर्म प्रभावना

विश्व शांति महायज्ञ एवं भव्य शोभायात्रा के साथ आज होगा विधान का समापन

छतरपुर। जैन धर्मावलाबियों के मेला ग्राउंड स्थित अजितनाथ जिनालय के सामने विशाल मैदान में चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान में नगर के साथ साथ अन्य नगरों और कस्बों से श्रद्धालुजनों ने भरपूर धर्मलाभ लिया।यह विधान आर्यिकाश्री अनर्घमति माताजी के ससंघ सानिध्य,बा.ब्र. संजीव भैया के मार्गदर्शन तथा सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में पूरी धार्मिक प्रभावना, विविध धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित हुआ है, जिससे नगर में अनूठी धर्मप्रभावना हुई है।

डा.सुमति प्रकाश जैन ने बताया कि 4 अक्टूबर से प्रारंभ हुए इस विधान के समापन पर 12 अक्टूबर 26 को विश्वशांति महायज्ञ होगा तथा श्रीजी की भव्य एवं विशाल शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी।विधान में श्रीजी के पूजन अभिषेक के बाद पहले दिन समोशरण के समीप शुद्ध और हथकरघा के वस्त्र धारण किए महापात्र तथा श्रावकगण 8 अर्घ मंत्रोच्चार के साथ समर्पित करते है। इसके बाद चढावे वाले अर्घों की संख्या प्रतिदिन दुगनी होती जाती है, जैसे दूसरे दिन 16,तीसरे दिन 32 चौथे दिन 64 और इसी तरह दुगनी होती हुई समर्पित किए जाने वाले अर्घों की संख्या विधान के अंतिम दिन 1024 तक पहुंच जाती है।बीच बीच में आर्यिकाश्री के मंगल प्रवचन तथा भैया जी के प्रेरक संदेश सुनने का लाभ भी श्रावकों को मिलता है।

डा. सुमति प्रकाश जैन के अनुसार सिद्धचक्र महामंडल विधान के पूर्व कुछ महापात्रों का चयन होता है।इस विधान



में सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य अरविंद बडकुल को मिला। इसी तरह जयकुमार जैन बाजना कुबेर, अनिल जैन श्रीपाल मैना सुंदरी बने, ऋषभ ओलिया महायज्ञ नायक, जितेंद्र जैन मिंटू, यज्ञ नायक एवं मुकेश डेवडिया चक्रवर्ती की भूमिका में रहे।विधान का शुभारंभ प्रतिदिन सुबह सात बजे संगीतमयी पूजन अभिषेक के साथ पूरी धार्मिक प्रभावना से होता रहा है, जिसमें समाज के स्त्री, पुरुष एवं युवाजन पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित होते रहे हैं। इस विधान में नगर के कोने कोने से श्रद्धालु अपनी सार्थक सहभागिता करने हेतु अपने अपने घरों से अष्ट द्रव्यों तथा आरती को सुंदर और मोहक तारीके से सजा में कर कार्यक्रम स्थल पहुंच कर श्रीजी का मंगल पूजन एवं सरस आरती करते रहे। इसी क्रम में संध्या काल में श्रद्धालुओं ने एक से बढ़ कर एक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। विगत रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम के क्रम में धार्मिक फैशन शो का ऐतिहासिक और सफलतम आयोजन संपन्न हुआ।इस फैशन शो में श्रावकों ने हथकरघा के बने वस्त्रों को पहन कर विभिन्न धार्मिक चरित्रों की सजधज कर मोहक प्रस्तुति कैटवॉक के साथ दी।

जैन समाज के अध्यक्ष श्री अरुण जैन ने बताया कि प्रतिदिन सायं सात बजे महापात्रों के घर से गाजेबाजे के साथ महाआरती अजितनाथ मंदिर परिसर हेतु निकलती रही।इसके बाद समवसरण के सामने रात्रि साढ़े आठ बजे विद्वान पंडित ब.ब्र.संजीव भैया के प्रेरक मंगल प्रवचन होते हैं। अपने प्रवचनों में पंडित जी धार्मिक शास्त्रोक्त प्रेरक बातों का प्रतिपादन बखूबी करते हुए श्रद्धालुओं से जीवन में धर्म को उतारने की सीख देते हैं। विगत रात्रि में भैया जी द्वारा समाजजनों एवं बच्चों को संस्कार दिये गए जिसमे सप्त व्यसन के त्याग का संकल्प सभी को कराया गया। इस विधान के अंतिम दिन आज सोमवार 12 अक्टूबर को सुबह 6 बजे विश्व शांति महायज्ञ के ठीक बाद एक विशाल शोभा यात्रा प्रातः 7.30 बजे अजितनाथ जिनालय मंदिर कार्यक्रम स्थल से शुरू होगी और छत्रसाल चौक,आकाशवाणी तिराहा,बस स्टैंड, चौक बाजार, महल तिराहा, छत्रसाल चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल मेलाग्राउंड जैन मंदिर पहुंच कर संपन्न होगी। शोभा यात्रा में आर्यिकाश्री का ससंघ मंगल सानिध्य रहेंगा। जैन समाज के अध्यक्ष अरुण जैन, महामन्त्री अजित जैन, डेरा पहाड़ी प्रबंधक आरके जैन ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से विधान के अंतिम दिन के सभी धार्मिक अनुष्ठान एवं विश्वशांति की कामना के लिए किए जाने वाले हवन में सम्मिलित होकर धर्मलाभ लेने का निवेदन किया है।

नवरात्रि में दुर्गा पंडालों की सुरक्षा और मांस की दुकानें बंद कराने की मांग, विहिप-बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन



एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

महाराजपुर। आगामी नवरात्रि पर्व को देखते हुए विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, मांस की दुकानों को बंद कराने तथा पंडालों में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। इस संबंध में शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को अनुविभागीय अधिकारी नौगांव के नाम नायब तहसीलदार महाराजपुर शशांक जैन को ज्ञापन सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं की सुविधा, धार्मिक आयोजनों की सुचारु व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम करने का आग्रह किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला संयोजक जगदीश सिंह राय, जिला सहसंयोजक सतीश राठौर, प्रखंड मंत्री प्रदीप राठौर, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख प्रिंस भरभूंजा एवं प्रखंड संयोजक अभिषेक तिवारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां के स्वागत में झूम उठा रीवा, जयकारों से गूंजे, गली-मोहल्ले ढोल-नगाड़ों के साथ निकलीं प्रतिमाओं की अगवानी यात्राएं

आकर्षक पंडालों में विराजीं मां दुर्गा; घरों में घटस्थापना के साथ शुरू हुई शक्ति की आराधना





रीवा। शारदीय नवरात्र की शुरुआत के साथ ही रीवा शहर माता रानी की भक्ति में डूब गया। रविवार को शहर के गली-मोहल्लों से लेकर प्रमुख बाजारों और चौराहों तक मां दुर्गा के जयकारे गूंजते रहे। कहीं ढोल-नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु नाचते-गाते माता रानी को पंडाल तक लेकर पहुंचे, तो कहीं फूल-मालाओं और पारंपरिक तरीके से देवी प्रतिमाओं का स्वागत किया गया। मां के आगमन को लेकर भक्तों में ऐसा उत्साह नजर आया कि देर रात तक शहर के विभिन्न इलाकों में उत्सव का माहौल बना रहा। भव्य पंडालों में मां दुर्गा और मां काली की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। घरों में घटस्थापना के साथ शक्ति की आराधना शुरू हुई और मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही शहर में धार्मिक उल्लास दिखाई दिया। शुभ मुहूर्त में घरों में कलश स्थापना की गई, वहीं दुर्गा उत्सव समितियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रतिमाओं की स्थापना की। पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। कहीं रंग-बिरंगी रोशनी से सजावट की गई है, तो कहीं पारंपरिक साज-सज्जा के बीच मां दुर्गा के दर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। सुबह और शाम की आरती के साथ देवी गीतों और भजनों की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो गया। माता रानी की प्रतिमाओं के आगमन पर शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया। सराफा मंडल परिवार और श्रद्धालुओं ने भव्य आयोजन के साथ मां का स्वागत किया। इसके अलावा सिंधी चौराहा, खन्ना चौराहा, गुड़हाई बाजार, उपरहटी और चुनहाई कुआं सहित कई प्रमुख इलाकों में भी उत्साह देखने को मिला।प्रतिमाओं के पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर माता रानी की अगवानी की। ढोल-नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच युवा नाचते-गाते नजर आए। शोभायात्राओं में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हुए। कई स्थानों पर फूल-मालाओं से स्वागत कर प्रतिमाओं को पंडाल तक पहुंचाया गया। पूरे रास्ते श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते रहे।नवरात्र शुरू होने से पहले ही दुर्गा उत्सव समितियों ने पंडालों की तैयारियां पूरी कर ली थीं। प्रतिमाओं के आगमन के साथ ही इन पंडालों में पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो गया। शहर के अलग-अलग हिस्सों में मां दुर्गा के साथ मां काली की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं।

घरों में घटस्थापना, मां शैलपुत्री की पूजा के साथ शुरू हुई आराधना

नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने घरों में शुभ मुहूर्त के अनुसार घटस्थापना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्र में कलश स्थापना के साथ देवी का आह्वान किया जाता है और नौ दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। शहर के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। पूजा सामग्री और प्रसाद की दुकानों पर भी चहल-पहल दिखाई दी। दुर्गा उत्सव समितियां प्रतिदिन आरती, भजन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटी हैं। ग्रामीण अंचलों में भी नवरात्र को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।\

रानी तालाब मंदिर में सुबह 4 बजे से दर्शन, बाहर सजा मेला

शहर का ऐतिहासिक रानी तालाब मंदिर नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना रहा। सोमवार सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलने के साथ ही दर्शन के लिए भक्तों की आवाजाही शुरू हो गई। सुबह होते-होते मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी। महिलाएं, बुजुर्ग और युवा कतारों में लगकर माता रानी के दर्शन करते नजर आए। नवरात्र के अवसर पर मंदिर के बाहर मेला भी सज गया है। यहां प्रसाद सामग्री, मिट्टी के दीपक, पूजा सामग्री, सजावटी वस्तुएं, खिलौने और खानपान की दुकानें लगाई गई हैं। बच्चों के लिए झूले भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु पूजा-अर्चना के बाद मेले में खरीदारी करते दिखाई दिए। मंदिर के आसपास धार्मिक माहौल के साथ मेले की रौनक भी देखने को मिली। भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए बैरिकेडिंग और कतारों की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान परेशानी न हो।

दो शिफ्टों में पुलिस की ड्यूटी, सादी वर्दी में भी नजर

नवरात्र के दौरान शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क रहने और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। रानी तालाब मंदिर क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की दो शिफ्टों में ड्यूटी लगाई गई है। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई हैं। पुलिस सादी वर्दी में भी निगरानी रखेगी, वहीं नियमित गश्त के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों पर नजर रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मंदिर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। दोपहिया वाहनों की पार्किंग मंदिर परिसर में और चारपहिया वाहनों की पार्किंग विवाह भवन परिसर में निर्धारित की गई है। पुलिस का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो और नवरात्र का पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो।

स्वामित्व योजना के भू अभिलेख का पंजीयन शुरू

रीवा । प्रशासन और पटवारी के बीच स्वामित्व योजना को लेकर बना गतिरोध समाप्त हो गया है। रीवा जिले में सभी पटवारी स्वामित्व योजना के तहत जारी पात्र परिवारों के भू-अधिकार पत्रों की रजिस्ट्री कर रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि 10 अक्टूबर और 11 अक्टूबर को सभी तहसीलों में स्वामित्व योजना से भू अधिकार पत्रों के रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए पटवारी हल्कावार विशेष शिविर लगाए गए हैं। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार पटवारी हल्कावार पात्र परिवारों के पटवारी द्वारा सारा एप के माध्यम से किए गए भू अधिकार पत्रों के पंजीयन का सत्यापन कर रहे हैं। सभी एसडीएम इस कार्य की लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं। पंजीयन करने में सारा एप और पोर्टल में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए जिला स्तर पर तैनात तकनीकी टीम लगातार अधिकारियों का सहयोग कर रही है।अब तक सर्किल नौबस्ता में 16 तथा गुढ़ तहसील के दुआरी में 15 रजिस्ट्री हो गई हैं। पटवारी हल्का खरहरी में पंजीयन का कार्य पूरा हो गया है। जिले में ग्राम बढ़ौरा, नकटा, कनौजा, नीगा, दुबहाई कला 518, दुबहाई खुर्द, गोरगी, हरदी कला, तुरकहा, पाली, रौरा, बक्छेरा, कपुरी, दोही, मरैला तथा पटेहरा सहित विभिन्न ग्रामों में भू अधिकार पत्रों का निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है।

राजस्व अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें - कलेक्टर

रीवा । कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि सभी राजस्व अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर न जाएं। अपने निर्धारित मुख्यालय में अनिवार्य रूप से रहें।नवरात्रि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था की निगरानी तथा स्वामित्व योजना से पात्र परिवारों के भू अधिकार पत्रों के निःशुल्क पंजीयन के लिए राजस्व अधिकारियों का निर्धारित मुख्यालय में रहना आवश्यक है। सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार नायब तहसीलदार तथा राजस्व निरीक्षक अति आवश्यक होने पर कलेक्टर से अनुमति लेने के बाद ही अवकाश पर जाएं। मुख्यालय छोड़ने के लिए भी अनुमति लेना आवश्यक है।

गलत उपचार की शिकायत करने वाली महिला की मौतः मौत के कारणों को लेकर निष्पक्ष जांच जरूरी



रीवा। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, रीवा के चिकित्सकों पर कथित रूप से गलत उपचार किए जाने का आरोप लगाकर शिकायत करने वाली महिला की मौत का मामला सामने आया था। महिला की आगजनी से मौत के बाद उनके उपचार, बीमारी से जुड़ी परिस्थितियों और शिकायत पर हुई कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस की जांच महत्वपूर्ण होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के तिलखन गांव की निवासी मिथिलेश सिंह अपने परिवार से अलग होकर रीवा के बोदाबाग क्षेत्र में रह रही थीं। बताया जाता है कि उन्होंने कुछ समय पहले कलेक्टर के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करते हुए संजय गांधी अस्पताल के चिकित्सकों पर गलत उपचार किए जाने का आरोप लगाया था। उन्होंने अपने उपचार और न्याय के लिए प्रशासन से मदद मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, शिकायत के बाद कलेक्टर की ओर से उनके निशुल्क उपचार की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, महिला को इसके बाद किस तरह की चिकित्सा सुविधा मिली और उनके उपचार की वास्तविक स्थिति क्या रही, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। बताया गया है कि महिला बीमारी के उपचार के लिए चार दिन पहले दिल्ली के वेदांता अस्पताल गई थीं, लेकिन कथित तौर पर आर्थिक कठिनाइयों के कारण वहां उपचार नहीं हो सका। इसके बाद वह दो दिन पहले रीवा लौट आई थीं। अब उसकी मौत की सूचना सामने आई।

गोपाल बाग में दिखा 15 से 20 फीट लंबा विशालकाय अजगर, ग्रामीणों को अलर्ट

मवेशियों को खुला छोड़ने से बचने की सलाह, अंधेरे में अकेले जाने से भी किया गया सतर्क

रीवा। जिले के गोविंदगढ़ स्थित ऐतिहासिक गोपाल बाग में विशालकाय अजगर दिखाई देने की सूचना से इलाके में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बाग परिसर में नजर आए अजगर की लंबाई करीब 15 से 20 फीट बताई जा रही है। सार्वजनिक स्थल और आसपास के ग्रामीणों की आवाजाही वाले क्षेत्र में इतने बड़े सर्प के दिखाई देने की खबर के बाद लोगों में चिंता बढ़ गई है। एहतियात के तौर पर आसपास के लोगों को सतर्क रहने और झाड़ियों की ओर जाने से बचने की सलाह दी गई है।गोपाल बाग ऐतिहासिक महत्व वाला स्थल है। यहां आसपास के ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है। बाग के आसपास कई स्थानों पर झाड़ियां और घनी वनस्पति मौजूद हैं। ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने के लिए भी इन क्षेत्रों में जाते हैं। ऐसे में अजगर दिखाई देने की सूचना के बाद उन लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है, जो रोजाना बाग के आसपास से गुजरते हैं या अपने पशुओं को चराने के लिए वहां ले जाते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अजगर को गोपाल बाग में रेंगते हुए देखा गया। उसकी लंबाई 15 से 20 फीट के आसपास होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, अजगर की वास्तविक लंबाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घनी झाड़ियों और सुनसान हिस्सों में उसके छिपे होने की आशंका को देखते हुए लोगों को अनावश्यक रूप से वहां जाने से बचने की सलाह दी गई है।विशेषकर शाम ढलने के बाद और रात के समय झाड़ियों की ओर अकेले जाने से बचना चाहिए। यदि किसी आवश्यक काम से उस क्षेत्र में जाना पड़े, तो पर्याप्त रोशनी का इंतजाम रखें और आसपास के वातावरण पर ध्यान दें। बच्चों को भी बाग के सुनसान और झाड़ियों वाले हिस्सों में अकेले न जाने दें।

बकरियों और मवेशियों को खुला छोड़ने से बचें

गोपाल बाग के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के लिए अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर भी सावधानी बरतना जरूरी है। बकरियों, गाय-बछड़ों और अन्य पालतू पशुओं को झाड़ियों के आसपास खुला छोड़ने से बचें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें और चराई के लिए ऐसी जगहों का चयन करें, जहां घनी झाड़ियों में वन्यजीव के छिपे होने की आशंका न हो। ग्रामीणों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी सर्प की मौजूदगी की आशंका वाले क्षेत्र में पशुओं को अकेला न छोड़ें। यदि झाड़ियों में कोई हलचल दिखाई देती है, तो उसके पास जाकर जांच करने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाकर संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

अजगर दिखे तो न छेड़ें, न पकड़ने की कोशिश करें

अजगर दिखाई देने पर उसे देखने के लिए भीड़ जुटाना या उसके करीब जाकर फोटो और वीडियो बनाने की कोशिश करना जोखिम भरा हो सकता है। लोग उससे पर्याप्त दूरी बनाए रखें और उसे घेरने, भगाने या पकड़ने का प्रयास न करें। सर्प को परेशान करने से स्थिति खतरनाक हो सकती है।

नशीली टैबलेट-कफ सिरप के नेटवर्क पर पुलिस का शिकंजा, दो गिरफ्तारः पहले पकड़े गए चार आरोपियों से पूछताछ में सामने आए थे नाम



रीवा। नशीली टैबलेट और कफ सिरप के अवैध कारोबार के मामले में सेमरिया पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में ग्राम कोटा निवासी विपिन सिंह और ग्राम हरदुआ निवासी अमृतलाल कुशवाहा उर्फ रिंकू शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, इससे पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1680 नशीली टैबलेट और कफ सिरप की 20 शीशियां जब्त की गई थीं। पूछताछ के दौरान दोनों नए आरोपियों के नाम सामने आए थे। पुलिस ने तलाश के बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिलने पर सेमरिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राज सिंह निवासी दुवारी, उमेश सिंह और अंकित सिंह निवासी कुशवार तथा पवन रावत निवासी वार्ड क्रमांक 14, सेमरिया के कब्जे से 210 पत्तों में रखी 1680 नग टैबलेट जब्त की थीं। इनकी कीमत 15,588 रुपए बताई गई है। इसके अलावा 8 हजार रुपए कीमत की ऑनरेक्स कफ सिरप की 20 शीशियां भी बरामद की गई थीं। पुलिस ने नशीली दवाओं के कारोबार में इस्तेमाल की गई काले रंग की स्कूटी भी जब्त की थी पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में विपिन सिंह और अमृतलाल कुशवाहा के नाम सामने आए थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उन्हें पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान अमृतलाल कुशवाहा ने राज सिंह और उसके साथियों को बिक्री के लिए नशीली टैबलेट उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के विरुद्ध सेमरिया थाने में पहले से अन्य आपराधिक प्रकरण भी दर्ज हैं। पुलिस मामले में नशीली दवाओं की खरीद-बिक्री और इससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला परिषद की बैठक संपन्न, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ 1 दिसंबर को होगा जेल भरो आंदोलन, संगठन विस्तार एवं आगामी आंदोलनों की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

रीवा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला परिषद की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे मानस भवन, रीवा में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान तथा जिले एवं देश के विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, केंद्र सरकार की नीतियों, महंगाई और भ्रष्टाचार के विरोध में आगामी आंदोलनों की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक में जिला परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सह सचिव एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य कामरेड हरिद्वार सिंह उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कामरेड संजय नामदेव, कामरेड अरुण सिंह तिवारी, राज्य कार्यकारिणी सदस्य कामरेड रामसरोज कुशवाहा, जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 एवं राज्य परिषद सदस्य कामरेड लालमणि त्रिपाठी तथा पार्टी के जिला सचिव कामरेड गया प्रसाद मिश्रा की उपस्थिति रही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मऊगंज जनपद सभागार एवं ग्राम पंचायत खैरा में कार्यक्रम आयोजित



मऊगंज। सेवा,पोषण और सम्मान के संकल्प के साथ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मऊगंज जनपद सभागार एवं हनुमना विकासखंड की ग्राम पंचायत खैरा में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला एवं बाल स्वास्थ्य, पोषण जागरूकता तथा आंगनवाड़ी सेवाओं के प्रति जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष बंशगोपाल तिवारी, श्रीनिवास त्रिपाठी, मऊगंज परियोजना अधिकारी श्रीमती नीलम मिश्रा एवं हनुमना परियोजना अधिकारी श्रीमती सविता श्याम परस्ते सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, आशा कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

विधायक प्रदीप पटेल ने आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के समुचित पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार और समुदाय की सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित सेवाओं को प्रभावी बनाने और पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में मैदानी कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भी जोर दिया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों को सेवा, पोषण और जागरूकता का प्रभावी माध्यम बनाकर महिलाओं एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा।

जवा-डभौरा मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो गंभीर

रीवा ।



जिले में जवा-डभौरा मार्ग पर शनिवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। नष्टिगवां गांव के चौराहे के पास दो बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल घायलों की मदद करते हुए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों की सहायता से दोनों घायलों को उपचार के लिए जवा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जवा-डभौरा मार्ग पर नष्टिगवां गांव के चौराहे के पास राइडर और डीलक्स बाइक के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घायलों की मदद में जुट गए। बताया जा रहा है कि राइडर बाइक पर सवार युवक छपरिया गांव के निवासी थे, जबकि डीलक्स बाइक सवार युवक डगडैया गांव के बताए जा रहे हैं। हालांकि, दोनों घायलों के नाम और दुर्घटना के समय वे कहां जा रहे थे, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने बिना देर किए पनवार पुलिस को सूचना दी।

उद्यानिकी कार्यशाला का समापन, 300 कृषकों ने कराया पंजीयन

गूटी बांधने, बडिंग एवं ग्राफ्टिंग की तकनीकों से कृषक हुए लाभान्वित

मऊगंज



कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (MIDH) वर्ष 2025-26 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय उद्यानिकी कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिवस लगभग 300 कृषकों ने पंजीयन कराया तथा उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर आवेदन एवं पंजीयन की प्रक्रिया पूर्ण की। कार्यशाला के द्वितीय दिवस अमरूद में गूटी बांधने की प्रक्रिया का फ्रंटलाइन डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने बडिंग एवं ग्राफ्टिंग की तकनीकों की जानकारी देते हुए कृषकों की तकनीकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यशाला से कृषकों को उन्नत पौध तैयार करने, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री प्राप्त करने तथा उद्यानिकी फसलों का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने की जानकारी मिली। इन तकनीकों को अपनाकर कृषक पौधों की गुणवत्ता सुधारने, पौध उत्पादन की सफलता बढ़ाने तथा फलदार पौधों के बेहतर विकास में सहायता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया के मार्गदर्शन से कृषकों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिली।